प्रेस विज्ञप्ति

गोविन्द बल्लभ पंत कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय
पंतनगर, जिला– ऊधमसिंह नगर (उत्तराखण्ड)

विश्वविद्यालय के विद्यार्थी हल्ट प्राइज 2026 में करेंगे नेशनल लेवल पर मुकाबला

पंतनगर। 9 मार्च 2026। गोविन्द बल्लभ पंत कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, पंतनगर में हल्ट प्राइज 2026 ऑन–कैंपस पिच प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में छात्रों के नवाचार और व्यावसायिक विचारों की क्षमता का मूल्यांकन किया गया। इस अवसर पर विद्यार्थियों ने वैश्विक चुनौतियों के समाधान के लिए सस्टेनेबल एवं इम्पैक्ट–ड्रिवन बिजनेस आइडिया प्रस्तुत किए। हल्ट प्राइज को अक्सर 'स्टूडेंट्स का नोबेल प्राइज' कहा जाता है। यह मंच विश्वविद्यालयों के छात्रों को संयुक्त राष्ट्र के 17 सतत विकास लक्ष्यों (एसडीजी) पर आधारित अपने व्यवसायिक मॉडल तैयार करने का अवसर प्रदान करता है। इस प्रतियोगिता का सफर अंतर्राष्ट्रीय फाइनल तक पहुंचता है, जहां विजेता टीम को एक मिलियन डॉलर का सीड ग्रांट प्रदान किया जाता है।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में अधिष्ठाता छात्र कल्याण डा. ए.एस. जीना उपस्थित रहे, जबकि निदेशक सेवायोजन एवं परामर्श निदेशालय डा. एम.एस. नेगी तथा सचिव, 4ए डा. अनिल कुमार विशिष्ट अतिथि के रूप में शामिल हुए। कार्यक्रम का आयोजन कृषि महाविद्यालय के अधिष्ठाता एवं कार्यक्रम के आयोजन सचिव डा. सुभाष चंद्रा तथा यूनिवर्सिटी लिटरेरी टीम के स्टाफ काउंसलर एवं सह–आयोजन सचिव डा. अमित केसरवानी के मार्गदर्शन में किया गया। इस आयोजन में पंतनगर हल्ट प्राइज के कैंपस डायरेक्टर श्री सौरभ जोशी का विशेष योगदान रहा। प्रतियोगिता दो चरणों में आयोजित की गई, जिसमें विभिन्न टीमों के नवाचारपूर्ण विचारों का मूल्यांकन किया गया। अंतिम चरण में उत्कृष्ट प्रदर्शन के आधार पर प्लांट ऑर्बिट, वीड2वेल्थ और द ज़ीरोवेस्ट शीर्ष तीन टीमों में शामिल रहीं। इनमें प्रथम स्थान प्राप्त करने वाली टीम प्लांट ऑर्बिट अब मुंबई में आयोजित राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिता में पंतनगर विश्वविद्यालय का प्रतिनिधित्व करेगी।

कार्यक्रम के अंत में धन्यवाद ज्ञापन देते हुए डा. अमित केसरवानी ने कार्यक्रम के सफल आयोजन में सहयोग देने के लिए हल्ट प्राइज पंतनगर की पूरी टीम, कृषि महाविद्यालय के अधिष्ठाता तथा यूनियन बैंक ऑफ इंडिया, पंतनगर के शाखा प्रबंधक सचिन का विशेष आभार व्यक्त किया। उन्होंने निर्णायक मंडल के सदस्यों डा. सुबोध प्रसाद, डा. एस.के. श्रीवास्तव, डा. चंद्र देव और डा. राजेश सिंह के योगदान की भी सराहना की।